

संप्रतीति स्त्री. (तत्.) 1. पूर्ण प्रतीति, पूरा विश्वास
2. किसी बात का पूर्ण ज्ञान या पूरी जानकारी
3. प्रसिद्धि, कीर्ति, ख्याति।

संप्रत्यय पुं. (तत्.) दृढ़ विश्वास, यथार्थ बोध, यथार्थ ज्ञान, भावना, अवधारणा पातंजल योग में किसी जाति की प्रत्येक वस्तु में या निहित विशेषता या गुण, सामान्य प्रत्यय, संकल्पना, अवधारणा (कान्सेप्ट), संप्रत्यय 2. इकरार, कौल, करार।

संप्रदा स्त्री. (तत्.) भली प्रकार से सौपी गई वस्तु, दी गई वस्तु, दी गई दीक्षा, दान, उपहार, भेंट।

संप्रदान पुं. (तत्.) 1. व्या. दान देने की क्रिया या भाव, अच्छी तरह दे देना, भली प्रकार सौंप देना
2. गुरु द्वारा शिष्य को मंत्र या दीक्षा देना 3. मंत्रोपदेश उपहार या भेंट देना 4. विवाह कर्ता आदि कारकों में चतुर्थ कारक, जिसको कुछ दिया जाए या जिसके लिए कुछ किया जाए उसका बोध कराने वाला शब्द-रूप संप्रदान करके पद के साथ 'को', 'के लिए', 'के निमित्त' 'के हेतु' आदि का प्रयोग होता है उदा. 'तुम्हारे निमित्त' में यह काम कर रहा हूँ।

संप्रदाय पुं. (तत्.) 1. गुरु-परंपरा से प्राप्त उपदेश या गुरु-मंत्र 2. शाखा 3. एक ही गुरु के शिष्यों या शिष्य-परंपरा के लोगों का समूह 4. किसी धर्म के अंतर्गत कोई मत-विशेष, पंथ अथवा उसके अनुयायियों का समूह जैसे- जैन धर्म में श्वेतांबर और दिगंबर 5. एक ही विचार दर्शन या सिद्धांत की विविध शाखाओं में से प्रत्येक जैसे- आधुनिक गणित और प्राचीन गणित।

संप्रदायक पुं. (तत्.) किसी संप्रदाय विशेष के प्रवर्तक या उसे आरंभ करने वाला।

संप्राप्त वि. (तत्.) 1. प्राप्त या उपलब्ध कोई वस्तु आदि 2. आया या पहुँचा हुआ, उपस्थित 3. पाया हुआ या प्राप्त 4. जो हुआ हो, घटित।

संप्राप्ति स्त्री. (तत्.) 1. सम्यक प्राप्ति, अच्छी उपलब्धि, पहुँच, निष्पत्ति, अभिग्रहण 2. पुस्तकालय में पुस्तकों और अन्य पाठ्य सामग्री

की खरीद, विनिमय या अनुदान द्वारा प्राप्ति; उक्त प्रकार से प्राप्त हुई पुस्तके आदि 3. आयुर्वेद में 'निदान पंचक' जिसके पाँच तत्व हैं- संख्या, विकल्प, प्राधान्य, बल और काल, रोग का सन्निकृष्ट कारण।

संप्रेक्षक पुं. (तत्.) अवेक्षण करने वाला, अवलोकन करने वाला, विचारकर्ता, गवेषण करने वाला।

संप्रेक्ष्य वि. (तत्.) दर्शनीय देखने योग्य, विचारणीय।

संप्रेष पुं. (तत्.) 1. संप्रेष, आह्वान, आमंत्रण, आदेश, भेजना, बर्खास्तगी 2. निदेश, समादेश, आज्ञा।

संप्रेषण पुं. (तत्.) कम्प्यू. 1. भेजना, पहुँचाना, अपनी भावना, विचार या बात दूसरों तक पहुँचाना 2. विभिन्न व्यक्तियों या समूहों के बीच समाचार-पत्र, रेडियो, दूरदर्शन आदि से होने वाली संपर्क-व्यवस्था 3. काव्य में रचना, शैली आदि के माध्यम से लेखक के भावों और विचारों को पाठकों तक पहुँचाना। communication

संप्रेषणी स्त्री. (तत्.) एक मृतककर्म (जो मृत्यु के बारहवें दिन होता है)।

संप्रोक्त वि. (तत्.) संबोधित, कथित, घोषित।

संप्रोक्षण पुं. (तत्.) जल को मंत्र पढ़कर छिड़कना, मार्जन खूब पानी छिड़कर मंदिर, पूजाघर आदि को साफ करना, अभिषेक, सिंचन।

संप्लव पुं. (तत्.) 1. घनी राशि 2. पूंजीभवन 3. जल में डूबना, बाढ़ में डूबना 4. जल बाढ़ 5. तरंग, लहर 6. अंत, तहस-नहस हो जाना विनाश 7. कोलाहल, शोर, हलचल, होहल्ला।

संप्लुत वि. (तत्.) जल से पूरी तरह भीगा हुआ, सराबोर, डूबा हुआ।

संफेद पुं. (तत्.) 1. क्रुद्ध व्यक्तियों का आपस में भिड़ जाना 2. कहासुनी 3. विमर्श के तरह भेदों में से एक।

संबद्ध पुं. (तत्.) दे. संबंध।

संबंध पुं. (तत्.) 1. योग संयोग 2. संपर्क, वास्ता, लगाव 3. किसी के साथ बँधना 4. औचित्य, उपयुक्त 5. मैत्री जुड़ना, मिलना 6. किसी के